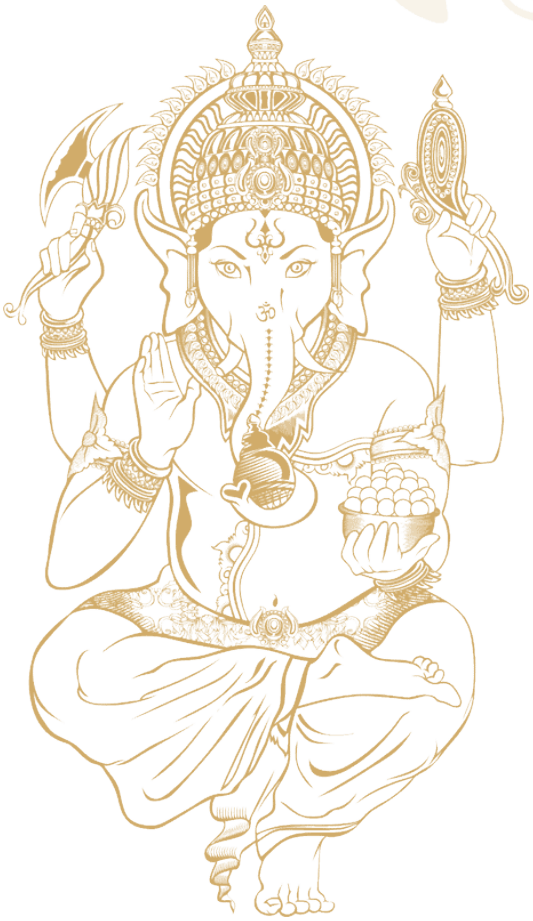

Ankit

25 Jun 1999

06:25 PM

Sonipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 120968802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/06/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:25:00 घंटे**
इष्ट	32:30:33 घटी
स्थान	**Sonipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:59:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:03:04 घंटे
वेलान्तर	-00:02:29 घंटे
साम्पातिक काल	12:15:58 घंटे
सूर्योदय	05:24:46 घंटे
सूर्यास्त	19:24:01 घंटे
दिनमान	13:59:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:41:41 मिथुन
लग्न के अंश	27:14:16 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	27:14:16	319:34:06	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
सूर्य			मिथु	09:41:41	00:57:13	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	02:43:30	11:51:48	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			तुला	03:21:35	00:14:48	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			कर्क	04:55:19	01:08:01	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			मेष	05:41:29	00:09:52	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	24:13:55	00:49:31	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि			मेष	19:51:28	00:05:50	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	19:49:53	00:06:51	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:49:53	00:06:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:29:00	00:01:32	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	09:54:59	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:37:05	00:01:26	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कन्या	10:30:10	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:47

लग्न-चलित

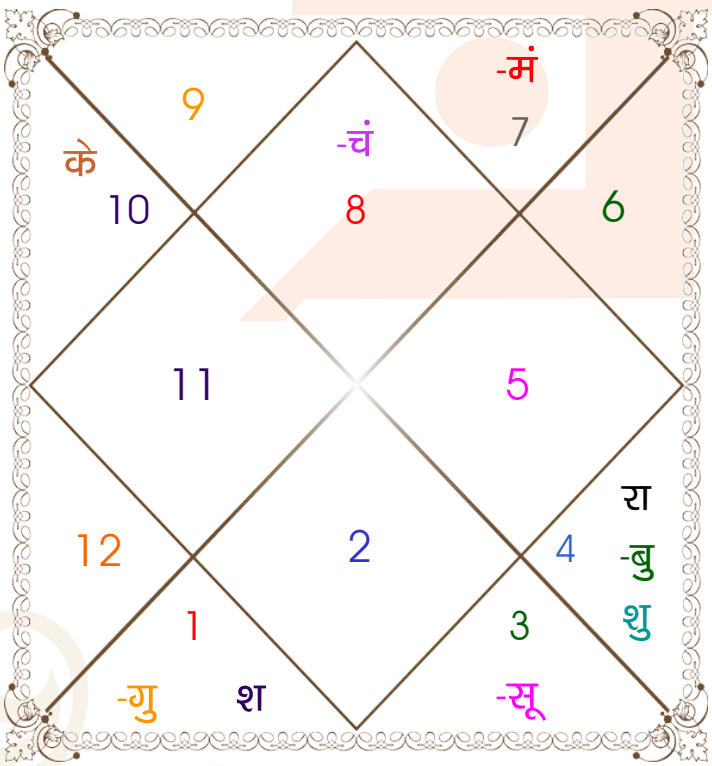

चन्द्र कुंडली

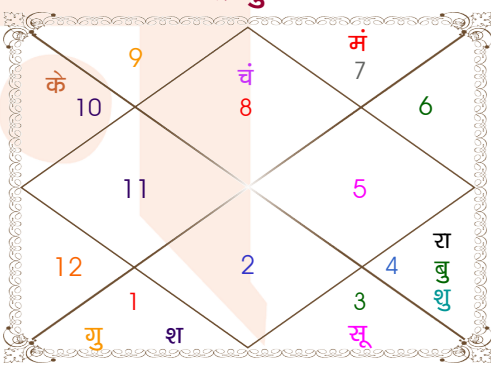

नवमांश कुंडली

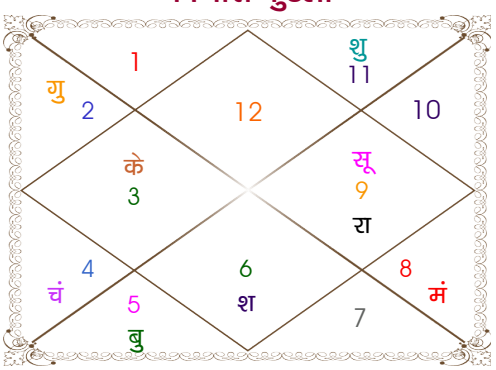

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 8 मास 23 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/06/1999		18/03/2000		19/03/2019		18/03/2036		19/03/2043	
18/03/2000		19/03/2019		18/03/2036		19/03/2043		19/03/2063	
	00/00/0000	शनि	22/03/2003	बुध	14/08/2021	केतु	14/08/2036	शुक्र	18/07/2046
	00/00/0000	बुध	29/11/2005	केतु	11/08/2022	शुक्र	14/10/2037	सूर्य	18/07/2047
	00/00/0000	केतु	08/01/2007	शुक्र	11/06/2025	सूर्य	19/02/2038	चंद्र	18/03/2049
	00/00/0000	शुक्र	09/03/2010	सूर्य	18/04/2026	चंद्र	20/09/2038	मंगल	18/05/2050
	00/00/0000	सूर्य	19/02/2011	चंद्र	17/09/2027	मंगल	16/02/2039	राहु	18/05/2053
	00/00/0000	चंद्र	20/09/2012	मंगल	13/09/2028	राहु	06/03/2040	गुरु	17/01/2056
	00/00/0000	मंगल	29/10/2013	राहु	03/04/2031	गुरु	10/02/2041	शनि	19/03/2059
	25/06/1999	राहु	04/09/2016	गुरु	09/07/2033	शनि	21/03/2042	बुध	16/01/2062
राहु	18/03/2000	गुरु	19/03/2019	शनि	18/03/2036	बुध	19/03/2043	केतु	19/03/2063

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/03/2063		18/03/2069		19/03/2079		18/03/2086		19/03/2104	
18/03/2069		19/03/2079		18/03/2086		19/03/2104		26/06/2119	
सूर्य	06/07/2063	चंद्र	16/01/2070	मंगल	15/08/2079	राहु	29/11/2088	गुरु	07/05/2106
चंद्र	05/01/2064	मंगल	18/08/2070	राहु	01/09/2080	गुरु	24/04/2091	शनि	17/11/2108
मंगल	12/05/2064	राहु	16/02/2072	गुरु	08/08/2081	शनि	28/02/2094	बुध	23/02/2111
राहु	05/04/2065	गुरु	17/06/2073	शनि	17/09/2082	बुध	16/09/2096	केतु	30/01/2112
गुरु	23/01/2066	शनि	17/01/2075	बुध	14/09/2083	केतु	05/10/2097	शुक्र	30/09/2114
शनि	05/01/2067	बुध	17/06/2076	केतु	10/02/2084	शुक्र	06/10/2100	सूर्य	19/07/2115
बुध	11/11/2067	केतु	16/01/2077	शुक्र	11/04/2085	सूर्य	30/08/2101	चंद्र	17/11/2116
केतु	18/03/2068	शुक्र	17/09/2078	सूर्य	17/08/2085	चंद्र	01/03/2103	मंगल	24/10/2117
शुक्र	18/03/2069	सूर्य	19/03/2079	चंद्र	18/03/2086	मंगल	19/03/2104	राहु	26/06/2119

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 8 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करता है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करते हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यों को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती है। आप अपने साहसिक एवं दृढ़ प्रवृति के कारण सफलता प्राप्त करतें आए हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृति से अपना मनोरंजित जीवन जीते आएं हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगे।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल स्त्री को बहुत पसंद करते हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपकी प्रेमिका बहुत अच्छी तो नहीं है परंतु बड़ी मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहते हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमिका की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आप जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगे। आपको अपनी जीवन संगिनी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्य ोगामी हो सकते हैं। अतएव सर्तकता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकते हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार

के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकते हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।